nandalahar: jisame rsaccidnanda parabrahma rrmacandraj k gunuvda ativa lalita bhajano me varita hai

Lakhana: Navalakiora, 1914 Seite 1

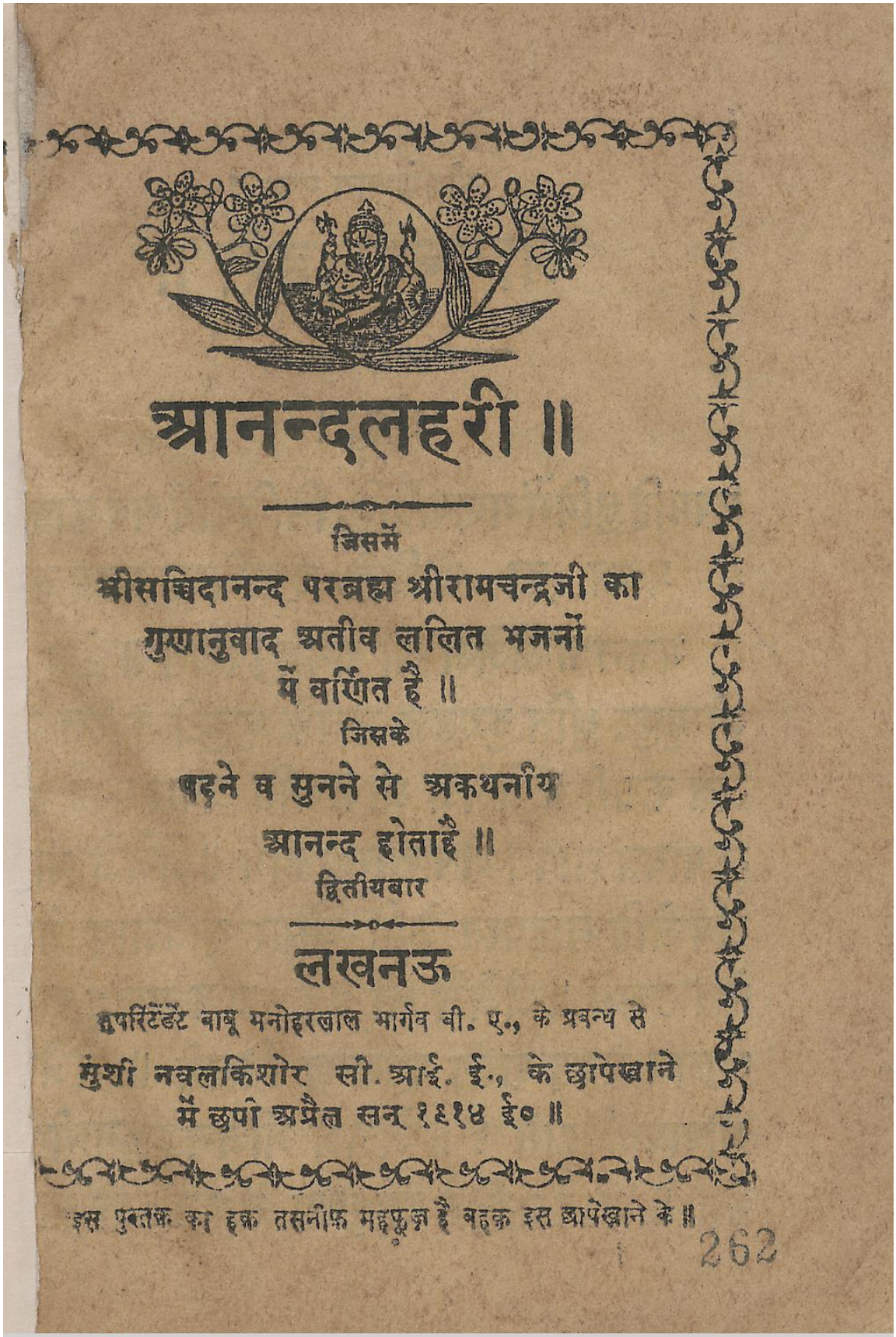

आनन्दलहरी ॥

जिसमें

श्रीसच्चिदानन्द परब्रह्म श्रीरामचन्द्रजी का
गुणानुवाद अतीव ललित भजनों
में वर्णित है ॥

जिसके

पढ़ने व सुनने से अकथनीय
आनन्द होताहै ॥

द्वितीयबार

लखनऊ

सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी. ए., के प्रबन्ध से
मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., के छापेखाने
में छपा अप्रैल सन् १९१४ ई० ॥

इस पुस्तक का हक़ तसनीफ़ महफ़ूज़ है बहक़ इस छापेखाने के ॥

262

UNIVERSITÄTS-BIBLIOTHEK HEIDELBERG
https://digi.ub.uni-heidelberg.de/diglit/anandalahari1914/0007
© Universitätsbibliothek Heidelberg
gefördert durch die DFG